Date
Page 1

> समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व तथा समाचार संकलन के बारे में लिखिए।

> भूमिका :→ आज का मानव अपनी दशा एवं दिशा के प्रति सचेत है। वह अपने परिवेश परिवेश के प्रति, अपने समाज, राष्ट्र के प्रति अपने तथा मानव समाज के गंतव्य के प्रति मनुष्य की क्षमता - अक्षमता, सबलता दुर्बलता, आशा - निराशा और विभिन्न क्रिया - कलापों के प्रति निरंतर जागरुक रहता है। यह जागरुकता उसमें जिस माध्यम के द्वारा पैदा होती है वह समाचार ही होता है।

समाचार का अर्थ

हिन्दी में 'समाचार' शब्द का अर्थ है - 'खबर' अर्थात् कभी भी किसी भी प्रकार से घटित घटना का ब्यौरा या वर्णन। 'खबर' उर्दू शब्द है जिसका अर्थ है 'जानकारी'। अत: समाचार का अर्थ हुआ आवश्यक जानकारी या सूचना। अंग्रेजी में इसके लिए 'न्यूज' शब्द का प्रयोग किया गया।

व्युत्पत्ति की दृष्टि से देखा जाए तो 'न्यूज' का सम्बन्ध चार दिशाओं से है अर्थात् ('North', 'East', 'West', 'South') के पहले अक्षरों को मिला कर 'NEWS' शब्द बना है।

Scanned with OKEN Scanner

परिभाषा :→ विभिन्न विद्वानों द्वारा दी गई परिभाषा इस प्रकार है।

★ विलियम. एल. रिवर्स के अनुसार, " समाचार घटना का वर्णन है। घटना स्वयं समाचार नहीं। घटनाओं तथ्यों और विचारों की सामयिक रिपोर्ट समाचार है।

★ जार्ज. एच. मॉरिस के अनुसार, " समाचार जल्दी में लिखा गया इतिहास है।"

★ के. एम. श्रीवास्तव के अनुसार, " समाचार उस सामयिक घटना अथवा मंतव्य का विवरण है, जो महत्वपूर्ण अथवा रुचिकर हो।"

समाचार के तत्व

समाचार के तत्व उभर कर सामने आए हैं, जो इस प्रकार है।

★ सत्यता :⇒ सत्यता से अभिप्राय घटनाक्रम के घटित होने से है। वही घटना समाचार बनती है जिसमें सच्चाई रहती है। सत्य और महत्वपूर्ण कथन भी समाचार बनते

Scanned with OKEN Scanner

Page 3

है।

नवीनता :=> जहां सत्यता समाचार का अभिन्न तथा महत्वपूर्ण तत्व है वही नवीनता भी एक महत्वपूर्ण तत्व है। समाचार के लिए सत्यता के साथ-साथ नवीनता भी होनी चाहिए।

महत्वपूर्णता :=> समाचार की महत्वपूर्णता से अभिप्राय है कि समाचार लिए उस घटित घटना का कितना महत्व है, जिसका विवरण दिया जा रहा है। प्रत्येक समाचार महत्वपूर्ण होता है।

अधिकांश व्यक्तियों की रुचि :=> वही घटना वस्तुतः समाचार बनती है जो अधिकांश व्यक्तियों की अभिरुचि को संतुष्ट करती है। प्रत्येक व्यक्ति की रुचि में अंतर होता है।

उत्तेजकता :=> समाचार में पाठकों को उत्तेजित करने की शक्ति होनी चाहिए क्योंकि उत्तेजना ही समाचार को जीवन्त और मूर्त बनाती है। प्रायः मानवीय संवेदना वाले समाचारों में कता और उत्तेजकता का तत्व विद्यमान रहता है।

परिवर्तन का संकेत :=> समाचारों में परिवर्तन का संकेत छुपा होना चाहिए। परिवर्तनहीन और स्थूल समाचार पाठकों को रुचिकर

नहीं लगते। एक ही समाचार बार - बार दिया जाए तो वह अपना महत्व खो बैठता है। समाचार विश्व -परिवर्तन की नवीनतम सूचना देने वाले होने चाहिए।

उत्सुकता :=> समाचार पाठकों के ज्ञान में वृद्धि करने वाले होने चाहिए। जो विवरण पाठकों में उत्सुकता पैदा नहीं करे, उनमें परिवर्तन अथवा बदलाव नहीं ला पाएं और ज्ञान मे वृद्धि नहीं कर पाए, उन्हें घटना कहना ही सम्भव होगा, समाचार नहीं।

समाचार संकलन

भूमिका :- कोई भी व्यक्ति समाचार -पत्र पढ़कर स्वा-भाविक रूप में पूछ सकता है कि विभिन्न समाचार एकत्र कैसे हो जाते है? समाचार -पत्रों का कार्य विभिन्न घटनाओं को विवरण सहित जन - जन तक पहुँचाना होता है। समाचार प्राप्त करके मनुष्य अपने मानसिक क्षुधा को शांत करता है तथा जीवन जीने के नए - नए आयाम भी प्राप्त करता है। पाठक रोजाना घर बैठे - बैठे देश-विदेश की खबरें पढ़ते हैं। विभिन्न समाचारों को घर- घर पहुँचाने के लिए समाचार पत्र को एक निश्चित प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत समाचार संकलन तथा समाचार - लेखन भी आते है।

Scanned with OKEN Scanner

समाचार संकलन की विशेषताएँ

समाचार संकलन की विशेषताएँ इस प्रकार है :-

तत्परता :=> समाचार संकलन की तत्परता किसी भी समाचारपत्र के लिए अग्निपरीक्षा सिद्ध होती है। इस सम्बन्ध मे स्मरण योग्य बात यह है कि संवाददाता का परिश्रम, उसकी सूझ-बूझ, खोजने, उन्हे एकत्रित करने की कला ही, समाचार संकलन की मुख्य कसौटी है।

संवाददाता की सूझ-बूझ :=> इस सम्बन्ध में यह बात योग्य है कि संवाददाता का परिश्रम, उसकी सूझ-बूझ, समाचार खोजने, उन्हें एकत्र करने तथा समाचार घढ़ने की कला ही वस्तुत: समाचार संकलन की मुख्य कसौटी है।

अधूरी तैयारी और अपर्याप्त साजो-सामान :=> अधूरी-तैयारी अपर्याप्त साजो-सामान के फलस्वरूप कई बार न तो समाचार ही प्राप्त हो पाते हैं। साथ ही संवाददाता की जान भी मुश्किल में पड़ सकती है।

आकाशवाणी या दूरदर्शन समाचार :=> कई बार समाचार

Scanned with OKEN Scanner

पत्र - कार्यालय में आकाशवाणी, दूरदर्शन आदि के लिए समाचार - संकलन का कार्य करने के लिए एक पूरी टीम कार्यरत रहती है। समाचार संपादक अथवा मुख्य संवाददाता की मेज पर, समाचार कक्ष में समाचारों को आदि का ढेर लगा रहता है।

☆ **इलैक्ट्रॉनिक मीडिया** :=> समाचार पत्रों को बड़े समाचार पत्रों पर आश्रित रहना पड़ता था। परन्तु इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के सहयोग तथा टेलीप्रिंटरों के प्रचलन के कारण आज स्थिति बदल चुकी है।

☆ **गुणवत्ता और सत्यता** :=> समाचार की गुणवत्ता तथा वास्तविकता / सत्यता बनाए रखने के लिए यह आवश्यक होता है कि कम से कम माध्यमों से गुजारा जाए, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति घटना का वर्णन अपने विचारानुसार करेगा।

☆ **जागरुकता तथा परिश्रम** :=> समाचार संकलन अत्यन्त सावधानी, जागरुकता तथा परिश्रम का कार्य है। घटनाओं की तह में जाकर गहन छानबीन करनी पड़ती है। घटना के प्रत्येक पक्ष का खुलासा होना आवश्यक है।

☆ **योजनाबद्ध तरीका** :=> समाचार - संकलन एक व्यवस्थित

ढंग की भी मांग करता है। अनेक समाचार प्रत्याशित और कुछ पूर्वानुमान पर आधारित होते है। अतः इनको विशेष रूप से योजनाबद्ध तरीके से संकलित किया जाना चाहिए।

इलैक्ट्रॉनिक प्रणाली :⇒ अत्याधुनिक इलैक्ट्रॉनिक प्रणाली से समाचार - संकलन में बहुत बड़ा परिवर्तन आ रहा है। कम्प्यूटर और इंटरनेट ने पत्रकारिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव पैदा किया है। आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र तथा उद्योग, यातायात, शिक्षा, मौसम आदि कम्प्यूटर द्वारा सहज रूप में उपलब्ध करवाई जा रही है।

निष्कर्ष :⇒ अतः यह स्पष्ट है कि समाचार संकलन कोई आसान कार्य नहीं है। एक मुस्तैद पत्रकार। कई माध्यमों पर आश्रित रहकर समाचार संकलन करने पड़ते है। परन्तु उनकी विश्वासनीयता और सत्यता की गहराई का पता लगाना बहुत कुछ उसके अनुभव और प्रयत्नशीलता पर निर्भर करता है।

Scanned with OKEN Scanner